M. G. POLYTECHNIC
(Mahatma Gandhi Polytechnic)

<u>पॉलीटेक्निक एजुकेशन इन इंडिया (टेक्निकल एजुकेशन)</u>

आज के दौर में बेसिक क्वालिफिकेशन के बल पर नौकरी पाना आसान नहीं है। उदारीकरण के दौर में कम्पनियाँ ऐसे व्यक्तियों को नौकरियों में तरजीह देती है, जिनके पास प्रोफेशनल डिग्री है। ऐसे में पॉलिटेक्निक आपके लिए खासा मददगार साबित हो सकता है। पॉलिटेक्निक कई लिहाज से आपके लिए फायदेमंद है। जहाँ पॉलिटेक्निक में दाखिला लेने के लिए आपको बड़ी शैक्षिक योग्यता की जरुरत नहीं है। साथ ही पॉलिटेक्निक करने के बाद आपके पास स्वरोजगार के कई मौके मौजूद है।

योग्यता - पॉलिटेक्निक में प्रवेश लेने के लिए दसवीं की बोर्ड परीक्षा में कम से कम ५० प्रतिशत अंक होने चाइये। आमतौर से पॉलिटेक्निक में दाखिले के लिए मार्च-अप्रैल में फॉर्म मिलते है और इसकी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मई माह में होती है।

लेटरल एंट्री - वे छात्र जिन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा गणित विषय के साथ पास की है वे पॉलिटेक्निक में सीधे द्रितीय वर्ष में प्रवेश ले सकते है।

अवधि - आमतौर पर पॉलिटेक्निक तीन वर्ष के इंजीनियर डिप्लोमा कोर्स करते है , लेकिन कई पॉलिटेक्निक ऐसे है जहाँ सिर्फ दो वर्ष के डिप्लोमा कोर्स कराये जाते है।

कम नहीं है अवसर- पॉलिटेक्निक करने के बाद आपके लिए अवसरों की कमी नहीं है। बाजार में कई मल्टीनेशनल कम्पनियाँ पॉलिटेक्निक के छात्र - छात्रों को नौकरियाँ देती है। खास बात यह है की पॉलिटेक्निक करने के बाद आपको कंपनियों में तो आसानी से नौकरी मिल ही जाती है , आपके पास स्वरोजगार के भी कई अवसर मौजूद होते है ।

टेक्निकल फील्ड से कोर्स करे छात्रों की असीम कर्रिएर समभावना में है और पॉलिटेक्निक कोर्स एक सर्वोच्च टेकिन्कल कोर्स की श्रेणी में आता है। भारत सरकार की JE (Junior Engineer) की Job भी इन्ही डिप्लोमा धारको को ही मिलती है।

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा / कोर्स के बाद कर्रिएर स्कोप

क्या आपको पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कोर्स अब समाप्त होने वाला है या आप पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कोर्स करने के विषय में सोचे रहे है और इस बात को लेकर उहापोह की स्थिति में है की आखिर इस कोर्स को करने के बाद रोजगार की कितनी संभावनाए है तथा इसमें करिएर एडवांसमेंट के असार है या नहीं , तो इन दोनों ही परिस्थितियों में आपको डरने तथा कुछ ज्यादा सोचने की जरुरत नहीं है। डिप्लोमा पॉलिटेक्निक कोर्स के पूरा होने के बाद बहुत अच्छे करिएर विकल्प और अवसर मिलते है। पॉलिटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रम का चयन करने का एक मुख्य कारण इसके द्वारा कम पैसे और कम से कम समय में उत्कृष्ट करिएर के अवसर उपलब्ध करना है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा पॉलिटेक्निक के उत्तीर्ण छात्रों को JE (Junior Engineer) की Job उपलब्ध कराती है। साथ ही सभी कंपनियों में भी डिप्लोमा धारको की अत्यधिक मांग है।

पॉलिटेक्निक करने के बाद पढाई

परंपरागत रूप में छात्रों इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बी. टेक. या बी. ई. करने में इच्छा जाहिर करते है। यधपि पॉलिटेक्निक डिप्लोमा एक सम्मानजनक नौकरी उपलब्ध करा सकता है लेकिन बी टेक करने के बाद किसी भी कंपनी में जॉब के लिए आपकी दावेदारी मजबूत हो जाती है।

पॉलिटेक्निक या डिप्लोमा कोर्स करने के बाद लेटरल एंट्री के रस्ते आप बी. टेक. स्नातक की डिग्री २ वर्ष में हासिल क्र सकते है। आप बी. टेक. में उसी विषय पर अध्ययन कर सकते है जो आपने पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कोर्स किया था। इसमें ध्यान देने वाली बात यह है की . टेक. या बी. ई. कोर्स के लिए डिप्लोमा कोर्स ६०% अंको के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

Polytechnic Course Details

पॉलिटेक्निक एक पॉपुलर डिप्लोमा कोर्स है जिसमे आप 10th पास करने के बाद या 12th पास करने के बाद कर सकते है इस कोर्स की मदद से अगर आप किसी भी फील्ड में चाहे मैकेनिकल इंजीनियर हो सिविल इंजीनियरिंग या फिर किसी भी इंजीनियरिंग फील्ड (Engineering Field) में डिप्लोमा (Diploma करना चाहते हो तो आप पॉलिटेक्निक कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं ये कोर्स पुरे तीन साल का होता है इस कोर्स की खासियत ये है की आप पॉलिटेक्निक कोर्स के बाद डायरेक्ट डिग्री कोर्स के लिए बी. टेक. के सेकंड ईयर यानि दूसरे साल में एडमिशन में सकते है यानि अगर आपने केमिकल इंजीनियरिंग (Civil Engineering) में पॉलिटेक्निक से डिप्लोमा किया है तो इसके बाद अगर आप डिग्री कोर्स करना चाहते है तो आप डायरेक्ट बी टेक के सेकंड ईयर मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एड्मिशन ले सकते है।

पॉलिटेक्निक का मतलब होता है : ये सामान्य रूप से दो शब्दों से मिलकर बना है पोली (Poly) और टेक्निक (Technic) पाली का मतलब होता है बहु यानि बहुत सरे टेक्निक मतलब आपको कला या फिर प्रैक्टिकल तरीके से सिखाना तो ये कलाओ का संस्था है या फिर कहे कॉलेज है जहाँ पर आपको ऐसे चीजों के लिए तैयार किया जाता है जिस भी फील्ड में आपको इंट्रेस्ट हो उस फील्ड में जॉब कर सके और अपना करिएर बना सके अब सवाल उठता है कौन पॉलिटेक्निक कोर्स कर सकते है इसके लिए क्या योगयता होनी चाहिए ?

पॉलिटेक्निक कोर्स के लिए योग्यता

१) कैंडिडेट 10वी या 12वी पास होना चाहिए।

2) पॉलिटेक्निक में एड्मिशन लेने के लिए कम से आपके ३५% मार्क्स होने चाहिए।

पॉलिटेक्निक कोर्स करने के फायदे

१) पॉलिटेक्निक आप सीधा 10वी या 12वी के बाद कर सकते है

२) पॉलिटेक्निक में आपको प्रैक्टिकल तरीके से सिखाया जाता है

३) पॉलिटेक्निक कोर्स करने के बाद आप जॉब कर सकते है

४) पॉलिटेक्निक के बाद आप सीधा इंजीनियरिंग के डिग्री कोर्स के सेकंड ईयर में एड्मिशन ले सकते है

पॉलिटेक्निक (Polytechnic) कैसे करे।

१) 10वी पास करे

अगर आपको पॉलिटेक्निक में एडमिशन लेना है तो इसके लिए सबसे पहले आपको 10 वी पास करना होगा और कोशिश करे गणित (Maths) , इंग्लिश और साइंस सब्जेक्ट में अच्छे मार्क्स लाये ताकि परसेंटेज की दिक्क्त न हो क्युकी इसके साथ हे इस सब्जेक्ट्स को ध्यान से और समझ के पढ़े क्युकी आपको इन्ही सब्जेक्ट में से सवाल पूछे जा सकते है जोकि ऑब्जेक्टिव प्रश्न होते है या फिर चाहे आप 12वी पास करने के बाद भी पॉलिटेक्निक (Polytechnic) कर सकते है या आप चाहे तो आईटीआई (ITI) करने के बाद भी इस कोर्स को कर सकते है लेकिन अगर आप 10वी के बाद करते है तो बेस्ट होगा।

२) पॉलिटेक्निक इंट्रेंस टेस्ट दे और अच्छा रैंक लाए

जैसे ही आप 10वी पास करते हे आप पॉलिटेक्निक एग्जाम (Polytechnic Exam) का फॉर्म भर सकते है जैसे JEEUP यानि कॉमन एंटेरन्स टेस्ट भी कहते है स्टेट के हिसाब से एग्जाम होते है तो आप को कोशिश करना है कि जो भी पॉलिटेक्निक (Polytechnic) एग्जाम दे उसमे अच्छे रैंक लेने की कोशिश करे।

३) अब काउंसिलिंग के लिए अप्लाई करे और कॉलेज चुने । (सीधे प्रवेश की भी सुविधा उपलब्ध)

जैसे ही आप पॉलिटेक्निक का एंटेरन्स क्लियर कर लेते है इसके बाद आपको काउंसिलिंग करना होता है यानि कॉलेज चुनना होता है की आपको कौनसा कॉलेज चाहिए और ये सब ऑनलाइन प्रोसेस होता है आपको रैंक यानि आपने एग्जाम में कितना रैंक लाया है उसी हिसाब से आपको कॉलेज दिया जाता है।

(M G Polytechnic) में कौन्सेल्लिंग के बाद Direct Admission का भी प्रावधान है । कृपया अन्य Details के लिए कॉलेज में संपर्क करे।)

४) छात्रवृत्ति सुविधा

सभी छात्र/छात्रों को समाज कल्याण विभाग ऊo प्रo द्वारा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाती है। हमारे कॉलेज द्वारा इस सम्बन्ध में छात्रों का बैंक खाता खुलवाने से लेकर छात्रवृत्ति फॉर्म भी भरवाया जाता है जिससे कि ज्यादा छात्रों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। छात्रों को यह सुविधा पुरे कोर्स के दौरान उपलब्ध होती है।

5) पॉलिटेक्निक की पढाई पूरी करे

जैसे ही आप कॉलेज मिल जाता है और एडमिशन प्रोसेस पूरा होता है उसके बाद आपको कॉलेज जाना होगा जिस तरह स्कूल जाते है तो वह आपको पढ़ाया जाता है जो भी सब्जेक्ट आप चुनते है और आपको हर एग्जाम पास करना होगा और ध्यान रहे आपको अच्छे मार्क्स लाने हैं ताकि आपको कंपनी जॉब दे सके अच्छी सैलरी पर।

६) इंटर्नशिप के लिए अप्लाई करे

पॉलिटेक्निक कि पढाई पूरी करने के बाद आपके कॉलेज में कंपनी आते है आपको जॉब देने के लिए तो आपको वह इंटरव्यू क्लियर करना होगा तो अगर आपने अच्छे से पढ़ा है और आपके अच्छे मार्क्स है तो आप आसानी से इंटरव्यू राउंड क्लियर कर सकते है तो जॉब पा सकते है या फिर आप चाहे तो इंटर्नशिप न करके सीधा बी. टेक. के सेकंड ईयर में एडमिशन लेके अपनी आगे कि पढाई पूरी कर सकते हैं बहुत से लोग कंफ्यूज होते है पॉलिटेक्निक करने के बाद क्या करे ? तो इसके बाद आप चाहे तो

इंजीनियरिंग कि डिग्री कोर्स कर सकते है डायरेक्ट सेकंड ईयर में एडमिशन लेके तो इस तरह आप पॉलिटेक्निक (Polytechnic) कोर्स पूरा कर सकते हैं ।